

पोटनियम दुरुस्ती

| पोटनियमाचा अनुक्रमांक | दुरुस्ती पूर्वीच्या पोटनियमाची शब्दरचना                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | दुरुस्ती झाल्यानंतर होणाऱ्या पोटनियमाची शब्दरचना                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | दुरुस्तीचे कारण                                                                                                          |
|-----------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| क-१-३                 | <p><b>अधिकृत भागभांडवल</b><br/>संस्थेचे अधिकृत भागभांडवल रूपये ७५०००००००/- (अक्षरी रू. पंच्याहत्तर कोटी फक्त) असेल. प्रत्येक भागाची दर्शनी किंमत रू. १०००/- (अक्षरी रूपये एक हजार फक्त) राहिल व या रकमेत वाढ करण्याचा अधिकार वार्षिक सभेच्या मान्यतेने संचालक मंडळास राहिल. महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम १९६० कलम २८ मधील तरतुदीस अधिन राहून सभासदास जास्तीत जास्त भाग धारण करता येतील व त्यापुढील त्याची दरमहा येणारी रक्कम काटकसरनिधी मध्ये घेता येईल. तथापि प्रत्येक सभासदास रूपये २०००००/- (अक्षरी रूपये दोन लाख) पर्यंत आणि शासकिय परिपत्रके याप्रमाणे भाग धारण करता येईल. काटकसरनिधी मध्ये घ्यावयाची रक्कम प्रत्येक सभासदांनी दरमहा नियमितपणे सभासदांचे वेतनातून कपात करून घेण्याचा अधिकार संस्थेला राहिल व त्यावर व्याज दरवर्षीच्या लाभांश दराप्रमाणे दिले जाईल. तसेच रू. २/- लाख मर्यादा पूर्ण झालेल्या सभासदांकडून कर्ज मागणी केल्यानंतर प्रत्येक मंजूर कर्ज रक्कमेतून १० टक्के काटकसरनिधी कापून घेण्यात येईल व त्यावर व्याज दरवर्षीच्या लाभांश दराप्रमाणे दिले जाईल.</p> | <p><b>अधिकृत भागभांडवल</b><br/>संस्थेचे अधिकृत भागभांडवल रूपये ७५०००००००/- (अक्षरी रू. पंच्याहत्तर कोटी फक्त) असेल. प्रत्येक भागाची दर्शनी किंमत रू. १५००/- (अक्षरी रूपये एक हजार पाचशे फक्त) राहिल व या रकमेत वाढ करण्याचा अधिकार वार्षिक सभेच्या मान्यतेने संचालक मंडळास राहिल. महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम १९६० कलम २८ मधील तरतुदीस अधिन राहून सभासदास जास्तीत जास्त भाग धारण करता येतील. तथापि प्रत्येक सभासदास रूपये २०००००/- (अक्षरी रूपये दोन लाख) पर्यंत आणि शासकिय परिपत्रके याप्रमाणे भाग धारण करता येईल व त्यापुढील त्याची दरमहा येणारी रक्कम काटकसरनिधी मध्ये घेता येईल. काटकसरनिधी मध्ये घ्यावयाची रक्कम प्रत्येक सभासदांनी दरमहा नियमितपणे सभासदांचे वेतनातून कपात करून घेण्याचा अधिकार संस्थेला राहिल व त्यावर व्याज दरवर्षीच्या लाभांश दराप्रमाणे दिले जाईल. तसेच रू. २/- लाख मर्यादा पूर्ण झालेल्या सभासदांकडून मागणी केल्यानंतर प्रत्येक मंजूर कर्ज रक्कमेतून १० टक्के काटकसरनिधी रक्कम कापून घेण्यात येईल व त्यावर व्याजाचा दर दरवर्षीच्या लाभांश दराप्रमाणे दरवर्षी दिले जाईल.</p> | संस्थेच्या भाग भांडवलात वाढ व्हावी म्हणून                                                                                |
| ड-१-१३                | <p><b>सभासद/सेवक कल्याण निधी</b><br/>मयत सभासदाचे वारसास व संस्थेच्या सेवकाच्या वारसास त्वरित मदत उपलब्ध व्हावी म्हणून दरवर्षी दरमहा प्रत्येक सभासदाकडून व संस्थेच्या सेवकाकडून रूपये ७५/- प्रमाणे वसूल करावेत त्यावर्षात ज्या सभासदाचे किंवा संस्थेच्या सेवकाचे निधन होईल त्याचे वारसास रू. २५००००/- (रूपये दोन लाख पन्नास हजार फक्त) द्यावेत. सदर सभासद कल्याण निधी फंडात वेळोवेळी वाढ करण्याचा अधिकार वार्षिक सभेच्या मान्यतेने संचालक मंडळास राहिल. मयत सभासदाकडून किंवा सेवकाकडून जर संस्थेचे कर्ज येणे बाकी असल्यास सभासद कल्याण निधी मदत फंडातून त्याची कर्जफेड करून घ्यावी तसेच मयत सभासदाचा वारस अज्ञान असल्यास तो सज्ञान होईपर्यंत सदरची सभासद कल्याण निधी फंडाची रक्कम संस्थेत ठेव म्हणून संस्थेकडे ठेवण्यात यावी व सदर ठेवीचा व्याजदर संस्थेच्या ठेवीच्या कालावधीच्या व्याज दराप्रमाणे राहिल.</p>                                                                                                                                                                          | <p>मयत सभासदाचे वारसास व संस्थेच्या सेवकाच्या वारसास त्वरित मदत उपलब्ध व्हावी म्हणून दरवर्षी दरमहा प्रत्येक सभासदाकडून व संस्थेच्या सेवकाकडून रूपये १००/- प्रमाणे वसूल करावेत त्यावर्षात ज्या सभासदाचे किंवा संस्थेच्या सेवकाचे निधन होईल त्याचे वारसास रू. ३,००,०००/- (रूपये तीन लाख फक्त) द्यावेत. सदर सभासद कल्याण निधी फंडात वेळोवेळी वाढ करण्याचा अधिकार वार्षिक सभेच्या मान्यतेने संचालक मंडळास राहिल. मयत सभासदाकडून किंवा सेवकाकडून जर संस्थेचे कर्ज येणे बाकी असल्यास सभासद कल्याण निधी मदत फंडातून त्याची कर्जफेड करून घ्यावी तसेच मयत सभासदाचा वारस अज्ञान असल्यास तो सज्ञान होईपर्यंत सदरची सभासद कल्याण निधी फंडाची रक्कम संस्थेत ठेव म्हणून संस्थेकडे ठेवण्यात यावी व सदर ठेवीचा व्याजदर संस्थेच्या ठेवीच्या कालावधीच्या व्याज दराप्रमाणे राहिल.</p>                                                                                                                                                                                                                                          | मृत सभासदाचे वारसास व सेवकांचे वारसास मदत म्हणून व पुर्वीची रक्कम कमी असलेने व निधीची अधिक उपलब्धता होणे आवश्यक असल्याने |

पोटनियम दुरुस्ती

| पोटनियमाचा अनुक्रमांक | दुरुस्ती पूर्वीच्या पोटनियमाची शब्दरचना                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | दुरुस्ती झाल्यानंतर होणाऱ्या पोटनियमाची शब्दरचना                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | दुरुस्तीचे कारण                      |
|-----------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------|
| ह-१-८                 | <p>सभासद कर्ज सुरक्षा विमा योजना - (नियम क्रमांक १ ते ६)</p> <p>१) कर्ज सुरक्षा विमा योजना दि. गव्हर्नमेंट सर्व्हंटस् म हाराष्ट्र को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लि. ३० यांजकडून सर्व प्रकारच्या कर्ज घेणाऱ्या सभासदांना अनिवार्य असेल.</p> <p>२) कर्ज सुरक्षा विमा योजने अंतर्गत संस्थेकडून सर्व प्रकारच्या देण्यात येणाऱ्या प्रत्येक कर्जातून मंजूर कर्ज रक्कमेच्या १% रक्कम कर्ज सुरक्षा विमा म्हणून कपात करण्यात येईल.</p> <p>३) कर्ज सुरक्षा विमा योजने अंतर्गत मंजूर कर्जातून वसुल केलेली १% रक्कम ही ना परतावा स्वरूपाची असेल. तसेच कपात रक्कमेवर कोणतेही व्याज दिले जाणार नाही.</p> <p>४) कर्ज सुरक्षा विमा योजना सुरु होण्यापूर्वी ज्या सभासदांनी कर्ज घेतलेले आहे, त्यांच्या कर्जाला ही योजना लागू होणार नाही. परंतु सभासद स्वखुशीने घेतलेल्या मंजूर रक्कमेच्या १% रक्कम संस्थेत भरणा करून या योजनेत सहभागी होऊ शकतो.</p> <p>५) कर्ज सुरक्षा विमा योजनेमध्ये माफ करण्यात येणाऱ्या कर्जाच्या कमाल मर्यादित वाढ किंवा कपात करण्याचे अधिकार वार्षिक सभेच्या मान्यतेने संचालक मंडळास राहिल.</p> <p>६) कर्ज सुरक्षा विमा रक्कम जमा होईपर्यंत पुढील पाच वर्षात खालीलप्रमाणे कर्ज शिल्लक असलेल्या रक्कमेच्या पुढीलप्रमाणे टप्पे करण्यात येईल.</p> <p>१) पहिल्या वर्षी २०% २) दुसऱ्या वर्षी ४०%</p> <p>३) तिसऱ्या वर्षी ६०% ४) चौथ्या वर्षी ८०%</p> <p>५) पाचव्या वर्षी १००%</p> <p>म्हणजेच पाच वर्षांपुढे शिल्लक कर्जाच्या १००% कर्ज रक्कम माफ केले जाईल.</p> | <p>सभासद कर्ज सुरक्षा विमा योजना - (नियम क्रमांक १ ते ६)</p> <p>१) कर्ज सुरक्षा विमा योजना दि. गव्हर्नमेंट सर्व्हंटस् म हाराष्ट्र को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी, लि. ३० यांजकडून सर्व प्रकारच्या कर्ज घेणाऱ्या सभासदांना अनिवार्य असेल.</p> <p>२) कर्ज सुरक्षा विमा योजने अंतर्गत संस्थेकडून सर्व प्रकारच्या देण्यात येणाऱ्या प्रत्येक कर्जातून मंजूर कर्ज रक्कमेच्या १% रक्कम कर्ज सुरक्षा विमा म्हणून कपात करण्यात येईल.</p> <p>३) कर्ज सुरक्षा विमा योजने अंतर्गत मंजूर कर्जातून वसुल केलेली १% रक्कम ही ना परतावा स्वरूपाची असेल. तसेच कपात रक्कमेवर कोणतेही व्याज दिले जाणार नाही.</p> <p>४) कर्ज सुरक्षा विमा योजना सुरु होण्यापूर्वी ज्या सभासदांनी कर्ज घेतलेले आहे, त्यांच्या कर्जाला ही योजना लागू होणार नाही. परंतु सभासद स्वखुशीने घेतलेले मंजूर कर्ज रक्कमेच्या १% रक्कम संस्थेत भरणा करून या योजनेत सहभागी होऊ शकतो.</p> <p>५) कर्ज सुरक्षा विमा योजनेमध्ये माफ करण्यात येणाऱ्या कर्जाच्या कमाल मर्यादित वाढ किंवा कपात करण्याचे अधिकार वार्षिक सभेच्या मान्यतेने संचालक मंडळास राहिल.</p> <p>६) कर्ज सुरक्षा विमा रक्कम जमा होईपर्यंत पुढील पाच वर्षात खालीलप्रमाणे कर्ज शिल्लक असलेल्या रक्कमेच्या पुढीलप्रमाणे टप्पे करण्यात येईल.</p> <p>१) पहिल्या वर्षी ३०% २) दुसऱ्या वर्षी ५०%</p> <p>३) तिसऱ्या वर्षी ७५% ४) चौथ्या वर्षी १००%</p> <p>म्हणजेच चौथ्या वर्षी शिल्लक कर्जाच्या १००% कर्ज रक्कम माफ केले जाईल.</p> | <p>सभासदांचे कर्ज सुरक्षिततेसाठी</p> |